हनुमत उड़ उड़ जाये

हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,
सोने की लंका जलाई रे,
हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,

सागर भी लांग गये खोज ली जानकी,
देवता भी गा रहे कीर्ति हनुमान की,
बेटा अंजनी को आये लंका में आग लगाई रे,
हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,

भगियां उजाड़े असुर बैरी संगारे,
माली खा मार झाड़ पेड़ भी उखाड़े,a
केला तोर तोर खाये अंगूर तोरके एलाये सोने की लंका जलाई रे,
हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,

फुक देयो बजरंगी रावण की लंका,
लंका में भजा दियो राम नाम डंका,
हां हां कार दई मचाये सोने की लंका जलाई रे,
हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,

रूप धारो बानर को शक्ति अपार गरझट है महावीर शिव का अवतारी,
सन मुख काल भी डराये सोने की लंका जलाई रे,
हनुमत उड़ उड़ जाये सोने की लंका जलाई रे,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9817/title/hanumat-ud-ud-jaaye-sone-ki-lanka-jalaai-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |